PRINCE SCHOOL
विद्याऽमृतमश्नुते
PRINCE SCHOOL
Rajasthan Board, English & Hindi Medium, Class VI to XII (Science, Commerce, Arts & Agriculture)
www.princeeduhub.com | Palwas Road, Sikar. Helpline : 9610-63-2222, 9610-69-2222 | princeeducationhubsikar

Model Paper - 2024-25

CLASS – XII

TIME: 3 Hour 15 Mints **SUBJECT : Hindi** **M.M. 80**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न – पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर – पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों के आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड – अ

प्र.1 निम्नलिखित बहुचयनात्मक प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर –पुस्तिका में लिखिए – $1 \times 16 = 16$

(i) किसी भी माध्यम के लिए समाचार लेखन की सर्वाधिक प्रचलित मानक (स्टैंडर्ड) शैली है –
(अ) सीधा पिरामिड शैली (ब) उल्टा पिरामिड शैली (स) विवरणात्मक शैली (द) विश्लेषणात्मक शैली

(ii) वेबसाइट पर विशुद्ध पत्रकारिता शुरू करने का श्रेय किसको दिया जाता है ?
(अ) तहलका डॉटकॉम (ब) रीडिफ डॉटकॉम (स) इंडिया इंफोलाइन (द) सीफी

(iii) पश्चिमी हिन्दी की बोली है –
(अ) मगही (ब) बुंदेली (स) मैथिली (द) मालवी

(iv) विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक लिपि है –
(अ) रोमन लिपि (ब) फ़ारसी लिपि (स) देवनागरी लिपि (द) गुरुमुखी लिपि

(v) कविता के बिना मुरझाए महकने का अर्थ है –
(अ) कभी पुराना न होना (ब) फूल की तरह सुगंध देना
(स) देश – काल से परे रहकर रसात्मक बने रहना (द) कभी न मुरझाना

(vi) ' दूरदर्शन ' पर अपाहिज को पेश करने का उद्देश्य है –
(अ) उसकी पीड़ा की अभिव्यक्ति (ब) दूरदर्शन का सामाजिक सरोकार
(स) दूरदर्शन की प्रतिस्पर्द्धा में विजय और धनोपार्जन (द) दर्शकों का मनोरंजन

(vii) ' हँसते हैं छोटे पौधे लघुभार ' में छोटे पौधे प्रतीक हैं –
(अ) छोटे – छोटे पादप वर्ग के (ब) पूँजीपति वर्ग के
(स) दलित शोषित वर्ग के (द) जनवादी क्रांति के

(viii) न्याय सूत्र पढ़ते–पढ़ते लेखिका महादेवी वर्मा विचार करने लगी –
(अ) आज की न्याय व्यवस्था पर (ब) शासन व्यवस्था पर
(स) शहर और देहात के जीवन के अंतर पर (द) भक्तिन के बारे में

(ix) लेखक धर्मवीर भारती के अनुसार देश के नागरिकों के चरित्र में किस गुण का अभाव है –
(अ) साहस (ब) वीरता
(स) ईमानदारी (द) स्वेदश प्रेम, त्याग और बलिदान

(x) पहलवानों के भोजन–व्यय के बारे में सुनते ही " टैरिबुल " किसने कहा था –
(अ) मैनेजर ने (ब) राजकुमार ने (स) राजा ने (द) मंत्री

(xi) बाज़ार का जादू किस राह काम करता है ?

(xii) मुअनजो – दड़ो में अपने मूल स्वरूप के बहुत नजदीक बचा रह सका, वह कौनसा निर्माण है ?
(अ) ज्ञानशाला (ब) सभाभवन (स) अनुष्ठानिक महाकुण्ड (द) बौद्ध स्तूप

(xiii) आनंद यादव को कविता रचना के क्षेत्र में गूढ़ रहस्य किसने बताए ?
(अ) रणनवरे मास्टर ने (ब) मंत्री नामक मास्टर ने (स) सौंदलगेकर मास्टर ने (द) प्रधानाध्यापक ने

(xiv) यशोधर बाबू की शादी कब हुई थी ?
(अ) 8 फरवरी,1947 (ब) 6 फरवरी,1947 (स) 6 फरवरी,1948 (द) 8 फरवरी,1948

(xv) आनंद यादव के पिता का क्या नाम था ?
(अ) गणपा (ब) देसाई (स) रतनाप्पा (द) जकाते

(xvi) राखालदास बनर्जी के बाद सिंधु घाटी सभ्यता के पुरातात्विक स्थलों की खुदाई किसने करवाई थी ?
(अ) जॉन मार्शल ने (ब) माधोस्वरूप वत्स ने (स) हेरल्ड हरग्रीव्ज ने (द) ग्रेगरी पोसेल ने

प्र.2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – 1×6= 6

(i) " तिल भर न आगे बढ़ रहे हो हाँ वीर हो निश्चय बड़ें। " वाक्य में ..... शब्द शक्ति है।

(ii) जहाँ विशेष प्रयोजन से प्रेरित होकर शब्द का प्रयोग लक्ष्यार्थ में किया जाता है, उसे ..... शब्द शक्ति कहते हैं।

(iii) जहाँ पर कारण नहीं होने पर भी कार्य का होना पाया जाता है, वहाँ ..... अलंकार होता है।

(iv) " भजन कह्यौ ताते भज्यौ , भज्यौ न एको बार।
दूरि भजन जाते कह्यौ , सो तू भज्यौ गँवार।। "
इस काव्य पंक्ति में ..... अलंकार है।

(v) ' शपथ – पत्र ' के लिए सही अंग्रेजी शब्द(पारिभाषिक शब्द) ..... है।

(vi) ' Minutes ' के लिए सही हिन्दी शब्द(पारिभाषिक शब्द)..... है।

प्र.3 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए सभी प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर – पुस्तिका में लिखिए– 1×6= 6

समस्त मानव जीवन के प्रवर्तक भाव या मनोविकार ही होते हैं। मनुष्य की प्रवृत्तियों की तह में अनेक प्रकार के भाव ही प्रेरक के रूप में पाए जाते हैं। शील या चरित्र का मूल भी भावों के विशेष प्रकार के संगठन में ही समझना चाहिए। लोकरक्षा एवं लोकरंजन की सारी व्यवस्था का ढाँचा इन्हीं पर ठहराया गया है। धर्मशास्त्र, राजशासन, मनशासन सबमें इनसे पूरा काम लिया गया है। इनका सदुपयोग भी हुआ है और दुरुपयोग भी। जिस प्रकार लोक कल्याण के व्यापक उद्देश्य की सिद्धि के लिए मनुष्य के मनोविकार काम में लाए गए हैं, उसी प्रकार किसी संप्रदाय या संस्था के संकुचित और परिमित विधान की सफलता के लिए भी इनका प्रयोग होता है।

(i) समस्त मानव जीवन के प्रवर्तक कौन होते हैं ?

(ii) मनुष्य की प्रवृत्तियों में अनेक प्रकार के भाव किस रूप में पाए जाते हैं ?

(iii) लोक रक्षक और लोकरंजन की सारी व्यवस्था का ढाँचा किस पर ठहराया गया है ?

(iv) लोक कल्याण के व्यापक उद्देश्य की सिद्धि के लिए क्या काम में लाया गया ?

(v) ' सदुपयोग ' शब्द में उपसर्ग और मूल शब्द होगा।

(vi) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

प्र.4 निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर सभी प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर – पुस्तिका में लिखिए– 1×6= 6

शांति नही तब तक , जब तक सुख भाग न नर का सम हो।
नहीं किसी को बहुत अधिक हो, नहीं किसी को कम हो।
ऐसी शांति राज करती है , तन पर नहीं ह्रदय पर,
न्याय शांति का प्रथम न्यास है ,जब तक न्याय न आता।
जैसा भी हो महल, शांति का सुदृढ नहीं रह पाता।
कृत्रिम शांति सशंक आप अपने से ही डरती है।
खड्ग छोड़ विश्वास किसी का भी नहीं करती है।

(i) शांति का प्रथम न्यास क्या है ?

(ii) शांति कहाँ राज करती है ?

(iii) कृत्रिम शांति और वास्तविक शांति में क्या अंतर है ?

(iv) कृत्रिम शांति किस पर विश्वास करती है ?

(v) मनुष्य को शांति कब तक नहीं प्राप्त होती है ?

(vi) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

खण्ड – ब

निम्नलिखित लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए – $5\times2=10$

प्र.5 समाचार लेखन की उल्टा पिरामिड शैली क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

प्र.6 ' सिल्वर वैडिंग ' कहानी के प्रमुख पात्र यशोधर बाबू समाज के किस वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है ?

प्र.7 ' सिंधु घाटी सभ्यता खेतिहर और पशुपालक सभ्यता थी। ' कैसे ? स्पष्ट कीजिए।

प्र.8 रस का अक्षयपात्र से कवि ने रचनाकर्म की किन विशेषताओं की ओर इंगित किया हैं ?

प्र.9 कर्णाट – राज की प्रिया कौन थी ? उसने गर्वपूर्वक क्या कहा था ?

खण्ड – स

प्रश्न संख्या 10 से 14 के उत्तर 60 से 80 शब्दों में लिखिए –

प्र.10 हृदय की कोमलता को बचाने के लिए व्यवहार की कठोरता भी कभी – कभी जरूरी हो जाती है – 'शिरीष के फूल ' नामक पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 2

अथवा

जाति प्रथा भारतीय समाज में बेरोजगारी व भुखमरी का भी एक कारण कैसे बनती रही है? क्या यह स्थिति आज भी है ?

प्र.11 ' जहाँ पर दाना रहते हैं वहीं नादान भी होते हैं। ' आत्म – परिचय ' कविता के आधार पर इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। 3

अथवा

पेट की आग का शमन ईश्वर (राम) भक्ति का मेघ ही कर सकता है – तुलसी का यह काव्य–सत्य क्या इस समय का भी युगसत्य – है ? तर्कसंगत उत्तर दीजिए।

प्र.12 'जूझ' आत्मकथात्मक उपन्यास के अंश के आधार पर आनंद यादव की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 3

अथवा

'सिंधु सभ्यता साधन संपन्न थी , पर उसमें भव्यता का – आडंबर नहीं था। ' कैसे ? स्पष्ट कीजिए।

प्र.13 ' गोस्वामी तुलसीदास ' का कवि परिचय लिखिए। 4

अथवा

' आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी ' का लेखक परिचय लिखिए।

प्र.14 फीचर लेखन करते समय किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। 3

अथवा

' युवा पीढ़ी में बढ़ती नशे की लत ' विषय पर आलेख लिखिए।

खण्ड– द

प्र.15 निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखिए – 6

तिरती है समीर–सागर पर
अस्थिर सुख पर दुख की छाया –
जग के दग्ध हदय पर
निर्दय विप्लव की प्लावित माया –
यह तेरी रण–तरी
भरी आकांक्षाओं से ,
धन, भेरी–गर्जन से सजग सुप्त अंकुर
उर में पृथ्वी के , आशाओं से
नवजीवन की, ऊँचा कर सिर ,
ताक रहे हैं, ऐ विप्लव के बादल।

अथवा

छोटा मेरा खेत चौकोना
कागज का एक पन्ना,
कोई अंधड़ कहीं से आया
क्षण का बीज वहाँ बोया गया।
कल्पना के रसायनों को पी
बीज गल गया नि : शेष ;
शब्द के अंकुर फूटे ,

पल्लव – पुष्पों से नमित हुआ विशेष।

प्र.16 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखिए – 6

बाज़ार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है जो जानता है कि वह क्या चाहता है और जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी ' पर्चेजिंग पावर ' के गर्व में अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति – शैतानी शक्ति, व्यंग्य की शक्ति ही बाज़ार को देते हैं। न तो वे बाजार से लाभ उठा सकते हैं , न उस बाज़ार को सच्चा लाभ दे सकते हैं। वे लोग बाज़ार का बाज़ारूपन बढ़ाते हैं। जिसका मतलब है कि कपट बढ़ाते हैं। कपट की बढ़ती का अर्थ परस्पर में सद्भाव की घटी । इस सद्भाव के ह्रास पर आदमी आपस में भाई–भाई और सुहृद और पड़ोसी फिर रह ही नहीं जाते हैं और आपस में कोरे गाहक और बेचक की तरह व्यवहार करते हैं। मानो दोनों एक–दूसरे को ठगने की घात में हों। एक की हानि में दूसरे को अपना लाभ दीखता है और यह बाज़ार का , बल्कि इतिहास का ; सत्य माना जाता है ऐसे बाज़ार को बीच में लेकर लोगों में आवश्यकताओं का आदान–प्रदान नहीं होता; बल्कि शोषण होने लगता है तब कपट सफल होता है , निष्कपट शिकार होता है।

अथवा

रात्रि की विभीषिका को सिर्फ़ पहलवान की ढोलक ही ललकारकर चुनौती देती रहती थी। पहलवान संध्या से सुबह तक, चाहे जिस खयाल से ढोलक बजाता हो, किंतु गाँव के अर्द्धमृत, औषधि–उपचार––पथ्य–विहीन–प्राणियों में वह संजीवनी शक्ति ही भरती थी। बूढ़े–बच्चे–जवानों की शक्तिहीन आँखों के आगे दंगल का दृश्य नाचने लगता था। स्पंदन–शक्ति–शून्य स्नायुओं में भी बिजली दौड़ जाती थी। अवश्य ही ढोलक की आवाज में न तो बुखार हटाने को कोई गुण था और न महामारी की सर्वनाश शक्ति को रोकने की शक्ति ही , पर इसमें संदेह नहीं कि मरते हुए प्राणियों को आँख मूँदते समय कोई तकलीफ़ नहीं होती थी , मृत्यु से वे डरते नहीं थे।

प्र.17 अध्यक्ष, नगर निगम , जोधपुर को अध्यक्ष, नगर निगम, जयपुर की ओर से स्वच्छता कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सुझाव एवं उपाय आमंत्रित करने हेतु अर्द्ध सरकारी पत्र लिखिए। 4

अथवा

जिला निर्वाचन अधिकारी, पाली द्वारा मतदाता सूची में नाम जोड़ते या हटाने, नामावली सुधार को लेकर अधिसूचना का एक प्रारूप तैयार कीजिए।

प्र.18 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर सारगर्भित निबंध लिखिए। (उत्तर शब्द सीमा – 300 शब्द) 5

(i) मूल्यवृद्धि एक ज्वलंत समस्या

(ii) ग्लोबल वार्मिंग–धरती की बढ़ता तापमान

(iii) मोबाइल फोन – वरदान या अभिशाप

(iv) राजस्थान में बढ़ता जल संकट।